चीनी के अर्क के लिए पेटेंट

गिरीश बाबू
चेन्नई, 23 जून

ऑस्ट्रेलिया की एक कंपनी दि प्रोडक्ट्स मेकर्स (ऑस्ट्रेलिया) पिटी लिमिटेड को गन्ने के अर्क की मदद से कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) वाली उत्पादन की प्रक्रिया का पेंटेंट मिला है। इससे स्वास्थ्य से जुड़े कई फायदे हो सकते हैं। इस अर्क को सीधे तौर पर या बिना किसी बदलाव के पेय पदार्थ या खाद्य पदार्थ में मिलाया जा सकता है। किसी भी खाद्य पदार्थ में कार्बोहाइड्रेट की रैंकिंग ही जीआई है और इसका असर किसी व्यक्ति के खून के ग्लूकोज स्तर पर पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक हाई ब्लड शुगर के स्तर का विश्लेषण करने में यह अहम होता है। कंपनी के कई ब्रांड हैं जिनमें कम जीआई वाला चीनी का अर्क शामिल है। भारत में डीडी शाह ग्रुप

■ ऑस्ट्रेलियाई कंपनी को मिला पेटेंट प्रसंस्कृत गन्ने से तैयार किए जाने वाले अर्क और दूसरे फाइटोकेमिकल अर्क तैयार करने की प्रक्रिया से जुड़ा है

इंडिया के साथ इसका संयुक्त उद्यम है ताकि देश में उत्पादों की बिक्री की जाए।

पेटेंट का आवेदन ऑस्ट्रेलिया की कंपनी होराइजन साइंस पिटी लिमिटेड ने दिया जो मार्च 2009 में गन्ने के बेकार हिस्से से उत्पाद तैयार करने पर मुख्य रूप से जोर दे रही थी। बाद में होराइजन साइंस की परिसंपत्तियां और पेटेंट का दि प्रोडक्ट मेकर्स ने अधिग्रहण कर लिया और इसका नया अधिग्रहण वाला कारोबारी ब्रांड लॉजीकेन और बेनकार्ब है जो कम जीआई वाले उत्पाद हैं और इन्हें इसके बायोएक्टिव विभाग में शामिल किया गया है। हाल ही में कंपनी ने कहा कि कंपनी के कई नए बायोएक्टिव उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। कंपनी ने अपने पेटेंट के लिए खास विवरण देते हुए कहा है कि विभिन्न प्रक्रियाओं का इस्तेमाल करने और गन्ने में मौजूद प्राकृतिक चीजों को बरकरार रखने से ही फायदा मिलेगा। गन्ने के अर्क में पॉलिफेनॉल्स, कार्बोहाइड्रेट्स, खनिज और ऑर्गेनिक एसिड होता है। इसका दावा है, 'मौजूदा तरीके से निकला अर्क दरअसल नए उत्पाद को दर्शाते हैं। आर्थिक रूप से भी उपयोगी होने के साथ इसका इस्तेमाल कई रूप में हो सकता है।' इसका इस्तेमाल कार्डियोवस्कुलर बीमारी, एथेरोसेलेरोसिस, उच्च रक्तचाप और थ्रोमबॉसिस के उपचार के लिए भी हो सकता है और ये एंटीऑक्सिडेंट के लिए भी प्रभावी होते हैं।